



Scan to Read in
Details

जवान का शव लेकर लौट रहे परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ सड़क हादसे में तीन की मौत



अमृत उजाला संवाददाता

देवरिया। देवरिया में एक बेहद दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। एक जवान का शव लेकर एंबुलेंस से घर लौट रहे उसके परिजनों की गाड़ी सड़क हादसे का शिकार हो गई। एंबुलेंस की एक टुक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में

जवान के इकलौते बेटे, भाई और भतीजे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जवान की मौत के बाद परिवार के लोग उसका शव लेकर देवरिया जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एंबुलेंस की टुक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीन लोगों की जान चली गई।

जवान की मौत के बाद एक और त्रासदी

परिवार पहले ही जवान की मौत से सदमे में था। अंतिम संस्कार के लिए शव घर लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में हुए इस हादसे ने परिवार को एक और गहरा जखम दे दिया। जवान के इकलौते बेटे और भाई की मौत की खबर से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया गया।

डीएम से लिपटकर रो पड़ा भतीजा

हादसे के बाद का दृश्य बेहद भावुक कर देने वाला था। परिवार का एक भतीजा डीएम से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगा। उसकी हालत देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। परिवार के लिए एक साथ इतने बड़े सदमे को संभाल पाना बेहद मुश्किल हो गया है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग



एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने प्रदर्शन किया। दोनों नेताओं ने ज्ञानेश कुमार पर

गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान उद्धव और राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त केन्द्र की भाजपा सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को 'भाजपा का हथियार' बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

तीन दिन में तीसरा प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन लगातार चल रहे आंदोलनों का हिस्सा है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मुंबई में यह तीसरा प्रदर्शन है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दोनों दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को किसी भी राजनीतिक दल के प्रभाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए।

इस्तीफे की मांग पर जोर

दोनों नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त से पद छोड़ने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग और केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। नेताओं का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देना जरूरी है और मतदाताओं के भरोसे को बनाए रखना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में नीरू ढांडा होंगी भारत की ध्वजवाहक



एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 के समापन समारोह में भारत की ओर से स्टार एथलीट नीरू ढांडा ध्वजवाहक की जिम्मेदारी निभाएंगी। नीरू ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। नीरू की इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय

भारतीय दल के लिए गौरव का पल

क्लोजिंग सेरेमनी में नीरू ढांडा के हाथों में तिरंगा भारत के लिए गौरव का क्षण होगा। प्रतियोगिता के दौरान पदक जीतकर देश का मान बढ़ाने के बाद अब वह समापन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगी।

शानदार प्रदर्शन से बनाई पहचान

एशियन गेम्स 2026 में नीरू ढांडा ने अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया। उनके दो स्वर्ण पदक भारत के अभियान की अहम उपलब्धियों में शामिल रहे। अब समापन समारोह में ध्वजवाहक के रूप में उन्हें चुना जाना उनके शानदार प्रदर्शन का सम्मान माना जा रहा है।

दल के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। समारोह में भारतीय तिरंगा थामने का सम्मान है। दो गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्हें समापन दिया गया है।

विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देना है समाज को बांटने वाली शक्तियां आज भी सक्रिय: योगी

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और समाज को कमजोर करने वाली विभाजनकारी ताकतों को किसी भी स्थिति में सफल नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुलामी के दौर में एक वर्ग समाज को बांटने का काम कर रहा था और ऐसी मानसिकता आज भी सक्रिय है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। समाज में जाति, क्षेत्र और अन्य आधारों पर विभाजन पैदा करने वाली कोशिशों से सावधान रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी शासन के समय समाज को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर कमजोर करने की कोशिशें की गई थीं। उस दौर में जो ताकतें समाज में विभाजन पैदा कर रही थीं, उनकी मानसिकता आज भी अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और सामाजिक एकता के



लिए सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। किसी भी प्रकार की नकारात्मक और

विभाजनकारी राजनीति को समाज में जगह नहीं मिलनी चाहिए।

एकजुटता से ही मजबूत होगा देश

योगी ने लोगों से आह्वान किया कि वे आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि जब समाज एकजुट रहेगा, तभी देश तेजी से आगे बढ़ सकेगा। विभाजन पैदा करने वाली ताकतों के प्रति सजग रहना और उनके प्रयासों को विफल करना सामूहिक जिम्मेदारी है।

Not all keys open the same life

Choose the one that leads to better living

Invest
in Dholera, Gujarat

9580456295

Graphics are for illustration only. Actual design may vary.*



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शिक्षकों को संदेश-

समाज को बांटने वालों को सफल न होने दें, देश को चाहिए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत'

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सफल होने से रोकने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के आशियाना स्थित राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश को जाति आधारित गुटों में बंटे और आपस में लड़ने वाले भारत की नहीं, बल्कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की जरूरत है।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सफल होने से रोकने में शिक्षकों की अहम भूमिका है। योगी ने कहा कि गुलामी के दौर में जहां एक वर्ग ने समाज को बांटने की कोशिश की थी, वहीं दूसरे वर्ग ने लोगों को एकजुट करने और आजादी की आवाज बुलंद करने का काम किया था। उन्होंने कहा, 'आज भी वही प्रवृत्ति अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है।' उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे समाज को बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों को सफल न



होने दें। मुख्यमंत्री ने आध्यात्मिक माहौल में गायत्री परिवार की स्थापना करने वाले पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य को याद करते हुए कहा, 'याद रखना, इस सृष्टि का पहला मंत्र गायत्री मंत्र है... महर्षि विश्वामित्र द्वारा रचित यह मंत्र परमपिता परमेश्वर के तेज से जुड़ने का आह्वान करता है।' उन्होंने कहा, 'इस पवित्र मंत्र की शक्ति का अहसास जिसने भी इसे अंगीकार किया, उसका कल्याण हो गया।' उन्होंने गायत्री परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा चाहते तो इसका नाम 'श्रीराम शर्मा संगठन' रख सकते थे, लेकिन

उन्होंने इसे 'गायत्री परिवार' नाम दिया क्योंकि व्यक्ति से बड़ा परिवार (समूह) होता है। मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए व्यक्तिवादी राजनीतिक संगठनों पर तंज कसते हुए कहा, 'जब कोई संगठन किसी व्यक्ति के नाम पर चलता है तो कुछ वर्षों बाद स्वयं धराशायी हो जाता है। संगठन विचार के नाम पर चलता है और लंबी दूरी तय करता है।' योगी ने कहा, 'पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य उन महापुरुषों में से हैं, जिन्होंने धर्म को विज्ञान से जोड़ा।' मुख्यमंत्री ने पर्यावरण की रक्षा पर जोर देते हुए कहा, 'जीवनदायिनी नदियां नहीं

शिक्षा से होगा राष्ट्र निर्माण

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों में अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और देश के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में शिक्षकों की जिम्मेदारी अहम है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से भी जोड़ना होगा।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। सम्मेलन में गायत्री परिवार से जुड़े शिक्षक और अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उनसे समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

रहेंगी तो जीव-सृष्टि के सामने संकट खड़ा हो जाएगा। हमें इनको बचाना पड़ेगा, इन्हें अविरल और निर्मल बनाना पड़ेगा। 'आदित्यनाथ ने कहा कि गायत्री परिवार ने पिछले 100 वर्षों में यज्ञ की वेदी के माध्यम से समाज की चेतना को जागृत करने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि लोगों को गुलामी की मानसिकता छोड़ने, अपनी विरासत

पर गर्व करने, सामाजिक समानता को बढ़ावा देने और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करने का संकल्प लेना चाहिए क्योंकि देश 2047 में आजादी की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर हर व्यक्ति अधिकारों से ज्यादा कर्तव्यों को महत्व दे, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को चुनौती देने की हिम्मत नहीं कर सकती।

तेज डीजे की आवाज के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचा सुल्तानपुर का मुद्दा, 6 अक्टूबर को होगी पहली सुनवाई

अमृत उजाला संवाददाता

सुल्तानपुर। तेज आवाज में बजने वाले डीजे और उससे पैदा होने वाले ध्वनि प्रदूषण को लेकर सुल्तानपुर में चल रही मुहिम अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच तक पहुंच गई है। घर सुल्तानपुर फाउंडेशन की ओर से इस मामले में जनहित याचिका दाखिल की गई है, जो WPIL No. 965/2026 के रूप में पंजीकृत हुई है। मामले की पहली सुनवाई 6 अक्टूबर

2026 को डिवीजन बेंच के सामने होनी है। इस याचिका के बाद जिले में तेज डीजे और ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। याचिका में फाउंडेशन की ओर से राघवेंद्र प्रताप सिंह याचिकाकर्ता हैं, जबकि सचिन सिंह और डी.पी. गुप्ता सहयोगी के रूप में जुड़े हैं। मामले की पैरवी अधिवक्ता अभिषेक तिवारी और उत्कर्ष मिश्रा कर रहे हैं। याचिका में प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

के साथ जिलाधिकारी सुल्तानपुर, पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर और जिला मेला समिति के अध्यक्ष को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका की फाइलिंग 30 सितंबर और रजिस्ट्रेशन 2 अक्टूबर 2026 को हुआ है। दरअसल, सुल्तानपुर में तेज डीजे की आवाज को लेकर पिछले कुछ समय से नागरिकों, चिकित्सकों, बुजुर्गों और सामाजिक संगठनों की ओर से चिंता जताई

जाती रही है। घर सुल्तानपुर फाउंडेशन ने भी लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया और तेज डीजे की आवाज व वाइब्रेशन के खिलाफ शांति मार्च निकाला। संस्था का कहना है कि तेज ध्वनि का असर केवल शोर तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बच्चों, बुजुर्गों, बीमार लोगों और आम नागरिकों की दिनचर्या भी प्रभावित होती है। ऐसे में ध्वनि से जुड़े निर्धारित मानकों और नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है। अब इस मामले के

हाईकोर्ट पहुंचने के बाद सुल्तानपुर के लोगों की नजर 6 अक्टूबर की पहली सुनवाई पर है। खासकर उन लोगों की उम्मीद है जो लंबे समय से तेज डीजे और अनियंत्रित ध्वनि को लेकर परेशानी झेलने की बात कहते रहे हैं। हालांकि अदालत इस मामले में क्या दिशा देती है, यह सुनवाई के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन फिलहाल इतना जरूर है कि सुल्तानपुर में ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा अब स्थानीय बहस से निकलकर न्यायालय तक पहुंच चुका है।

नाराज पत्नी को मनाने ससुराल जा रहे पति की सड़क हादसे में मौत

अमृत उजाला संवाददाता

बहराइच। पत्नी को मनाने के लिए ससुराल जा रहे एक व्यक्ति की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा कैसरगंज टोल गेट के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार रवि गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। बताया जा रहा है कि फखरपुर थाना क्षेत्र निवासी रवि की पत्नी किसी बात को लेकर नाराज होकर अपने मायके चली गई थी। पत्नी को वापस घर लाने और उसे मनाने के लिए रवि बाइक से अकेले ससुराल के लिए निकले थे। लेकिन रास्ते में कैसरगंज टोल गेट के पास हुए हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में



लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है और उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि पत्नी को मनाने निकले रवि अब कभी वापस नहीं लौटेंगे। इस दर्दनाक हादसे के बाद रवि के

परिवार में गम का माहौल है। मृतक के भाई महेश ने घटना को लेकर अपनी बात रखी। पुलिस हादसे के कारणों और दुर्घटना में शामिल रोडवेज बस से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। यह मामला बहराइच कोतवाली कैसरगंज क्षेत्र के टोल गेट का है।

श्रावस्ती के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद, खलीलाबाद-बहराइच रेललाइन परियोजना ने पकड़ी रफ्तार

अमृत उजाला संवाददाता

श्रावस्ती। जिले के विकास और बेहतर रेल कनेक्टिविटी की लंबे समय से चली आ रही उम्मीद अब धीरे-धीरे जमीन पर उतरती नजर आ रही है। खलीलाबाद से सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती होते हुए बहराइच तक प्रस्तावित करीब 240 किलोमीटर लंबी नई रेललाइन परियोजना पर काम तीन चरणों में आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना के पूरा होने से श्रावस्ती समेत आसपास के पिछड़े और सीमावर्ती इलाकों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। करीब 4,940 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना पर मार्च 2026 तक लगभग 1,525 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए परियोजना के लिए 686 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। खलीलाबाद-बांसी के बीच करीब 54 किलोमीटर हिस्से में मिट्टी पटाई, पुल-पुलियों और स्टेशन निर्माण से जुड़े काम आगे बढ़ रहे हैं। इससे परियोजना के शुरुआती हिस्से में निर्माण गतिविधियां तेज

होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं बांसी से इकौना और इकौना से बहराइच तक के हिस्से में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। खास तौर पर इकौना-बहराइच के बीच करीब 66 किलोमीटर हिस्से के लिए जमीन जुटाने का काम चल रहा है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस हिस्से में भी निर्माण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है। नई रेललाइन के रास्ते में आने वाले क्षेत्रों के लिए यह परियोजना केवल एक रेल मार्ग नहीं, बल्कि विकास और रोजगार के नए अवसरों की उम्मीद भी लेकर आ रही है। परियोजना पूरी होने के बाद श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच जैसे जिलों को सीधे तौर पर बेहतर रेल संपर्क का लाभ मिलेगा। खासकर श्रावस्ती जैसे पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व वाले जिले के लिए रेल कनेक्टिविटी बढ़ाना स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए भी बड़ी सुविधा साबित हो सकता है। लंबे समय से रेल सुविधा का इंतजार कर रहे लोगों की नजर अब इस परियोजना की रफ्तार और इसके धरातल पर पूरा होने पर टिकी है।



लखनऊ में अचानक बाढ़ से हाहाकार, 40 हजार से ज्यादा घरों में घुसा पानी, गलियों में चल रही नावें



लखनऊ। लखनऊ में अचानक आई बाढ़ ने शहर के कई इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी

जलभराव के कारण 40 हजार से ज्यादा घरों में पानी घुसने की बात सामने आई है। कई मोहल्लों में हालात इतने खराब हैं कि सड़कें

और गलियां जलमग्न हो गई हैं और लोगों को आने-जाने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ रहा है।

हजारों परिवारों ने छोड़े घर

बाढ़ का पानी लगातार बढ़ने के बाद हजारों परिवारों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। कई इलाकों में घरों के अंदर पानी भर जाने से लोगों का घरेलू सामान भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन और राहत दल प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटे हैं।

ड्रोन वीडियो में दिखी भयावह तस्वीर

बाढ़ की स्थिति का ड्रोन वीडियो सामने आया है, जिसमें कई इलाकों में दूर-दूर तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। जलभराव के कारण सामान्य आवाजाही ठप है और गलियों में नावें चलती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में बड़ी संख्या में घर पानी से घिरे नजर आ रहे हैं।

राहत और बचाव कार्य जारी

प्रशासन की ओर से प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ जरूरतमंद परिवारों तक भोजन और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने की अपील की है।

लखनऊ में 5 एसीपी के तबादले

अभिषेक पांडेय कैसरबाग और लक्ष्मण वर्मा कृष्णनगर के नए एसीपी



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पांच सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के तबादले किए गए हैं। पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेश के तहत अधिकारियों को अलग-अलग सर्किल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तबादले के बाद अभिषेक पांडेय को कैसरबाग का नया एसीपी बनाया गया है, जबकि लक्ष्मण वर्मा को कृष्णनगर एचक की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव को पुलिसिंग व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की कवायद के तौर पर देखा

इन अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

- अभिषेक पांडेय – एसीपी कैसरबाग
- लक्ष्मण वर्मा – एसीपी कृष्णनगर
- अन्य तीन एसीपी– अलग-अलग सर्किलों में नई तैनाती
- नई तैनाती के बाद सभी अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को बेहतर करने की अपेक्षा की गई है।

जा रहा है। कमिश्नरेट स्तर पर समय-समय पर अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया जाता है, ताकि कानून-व्यवस्था की निगरानी और अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाया जा सके। लखनऊ में हुए इन तबादलों के बाद संबंधित अधिकारियों ने अपनी नई जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दी हैं।

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। नेपाल के पोखरा में शनिवार शाम अचानक मौसम खराब होने के बाद दुबई से पोखरा जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। पोखरा में मौसम की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण विमान को वहां लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद विमान को लखनऊ एयरपोर्ट की ओर भेजा गया, जहां उसने सुरक्षित लैंडिंग की। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक फ्लाईदुबई की उड़ान FZ-1165 शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दुबई से खाना हुई थी और उसे शाम 6:15 बजे पोखरा पहुंचना था। हालांकि, पोखरा में मौसम खराब होने के कारण वहां विमान संचालन प्रभावित हुआ। इसी वजह से उड़ान को लखनऊ के लिए डायवर्ट किया गया। विमान A6-FMU (बोइंग 737 MAX-8) ने शाम करीब 6:53 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित



लैंडिंग की। लखनऊ एयरपोर्ट अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विमान की लैंडिंग किसी आपात स्थिति के चलते नहीं हुई थी। विमान में किसी तरह की तकनीकी खराबी या अन्य आपात स्थिति नहीं थी। मौसम की वजह से लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने के कारण उड़ान का रूट बदला गया था। लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरने के बाद विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सभी सदस्यों की

स्थिति सामान्य रही। बाद में जब पोखरा का मौसम सुधरा और वहां विमान संचालन की स्थिति सामान्य हुई तो उड़ान को दोबारा खाना किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार विमान ने रात करीब 8:08 बजे लखनऊ से पोखरा के लिए उड़ान भरी। मौसम खराब होने के कारण कुछ समय के लिए बदले गए रूट के बाद विमान के सुरक्षित खाना होने से यात्रियों ने भी राहत की सांस ली।

जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं बेलहरा के जेपी सिंह, जनसेवा को बनाया अपना संकल्प

अमृत उजाला संवाददाता

बेलहरा, जखनिया (गाजीपुर)। ग्राम पंचायत बेलहरा में जनसेवा और ग्रामीणों की मदद के लिए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश सिंह उर्फ जेपी सिंह लगातार सक्रिय नजर आते हैं। गांव के लोगों के बीच उनकी पहचान ऐसे व्यक्ति के रूप में बनी है, जिससे जरूरत के समय आसानी से संपर्क किया जा सकता है। उनका कहना है कि जनता ने जिस भरोसे के साथ उन्हें जिम्मेदारी दी है, उस भरोसे पर खरा उतरना ही उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है।

ग्रामीणों के मुताबिक, किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाने की जरूरत हो, थाने या तहसील में कोई काम अटक गया हो अथवा सरकारी योजना का लाभ पाने में परेशानी आ रही हो, जेपी सिंह मदद के लिए आगे रहते हैं। गांव के लोगों का कहना है कि वह जरूरतमंद व्यक्ति की समस्या को सुनने के बाद उसके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों और विभागों से संपर्क करने का प्रयास करते हैं। यही वजह है कि कई ग्रामीण



उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं। गांव में साफ-सफाई, नाली और खड़जा जैसे विकास कार्यों के साथ पात्र लोगों को आवास और पेंशन जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयासों का भी ग्रामीण उल्लेख करते हैं। उनका जोर गांव में आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने पर भी रहता है। ग्रामीणों के बीच अक्सर यह बात सुनने को मिलती है कि जरूरत के समय जेपी सिंह से संपर्क करने पर वह समस्या को गंभीरता से सुनते हैं और अपनी तरफ से मदद का

प्रयास करते हैं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश सिंह उर्फ जेपी सिंह कहते हैं, 'बेलहरा की जनता ही मेरा परिवार है। जनता ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उसे कायम रखना मेरी जिम्मेदारी है। मेरा प्रयास रहता है कि जरूरतमंद व्यक्ति मेरे दरवाजे से निराश होकर न लौटे और गांव के विकास के साथ हर व्यक्ति के सुख-दुख में खड़ा रहूं।' ग्रामीणों के बीच उनकी सक्रियता और सहज व्यवहार के कारण उन्हें क्षेत्र में एक सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है।

दीवार के सहारे मृत मिले युवक की हत्या का खुलासा रुपये के लालच में करंट लगाकर मारने का आरोप

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले मकान की बाउंड्री वॉल के पास दीवार के सहारे बैठे मिले युवक की मौत के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने रुपये के लालच में युवक की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। मृतक की पहचान रहीमाबाद निवासी मेड़ी लाल के 25 वर्षीय बेटे सचिन उर्फ राजा के रूप में हुई थी। उसका शव घर से करीब 300 मीटर दूर रमेश यादव के मकान के बाहर सड़िथ परिस्थितियों में मिला था। उसके दोनों पैरों के तलवों पर एक ही स्थान पर करंट से झुलसने के निशान मिले थे। मृतक के पिता मेड़ी लाल की तहरीर पर गांव के बिरजू, तेजू और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया था कि 28 सितंबर की शाम करीब चार बजे सचिन गांव के ही बिरजू के साथ स्लेंडर प्लस बाइक से गया था। इसके बाद देर रात तक उसके घर

वापस नहीं लौटने पर तलाश शुरू की गई। अगले दिन सुबह करीब पांच बजे सचिन का शव घर से कुछ दूरी पर रमेश यादव के मकान की बाउंड्री वॉल के पास मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में पुलिस की तीन टीमें गठित की गईं। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान करीब 170 से 190 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और अन्य साक्ष्यों व मुखबिर की मदद से शुक्रवार को बिरजू पुत्र बांके लाल (26) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह और सचिन दोस्त थे और दोनों अक्सर साथ शराब पीते थे। पुलिस का कहना है कि 28 सितंबर को सचिन ने पैसों की जरूरत के चलते अपनी बाइक भक्ति खेड़ा निवासी महेश के पास 10 हजार रुपये में गिरवी रखी थी। इसके बाद दोनों ने शराब पी। पुलिस के मुताबिक, सचिन के नशे में बेसुध होने पर बिरजू की नजर उसके पास बचे रुपये पर पड़ी और कथित तौर पर उसने करंट लगाकर उसकी हत्या कर दी।



यूपी की सियासत में अखिलेश का नया नारा, बोले- 'जय संविधान, जय हिंदुस्तान' गठबंधन पर कहा- बात सीट की नहीं, जीत की है



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर बड़ा बयान

गठबंधन को लेकर क्या बोले अखिलेश?

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में गठबंधन का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल करना और जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने संकेत दिया कि सीट बंटवारे पर बातचीत व्यापक चुनावी रणनीति को ध्यान में रखकर की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को मिलकर ऐसी रणनीति बनानी होगी, जिससे भाजपा को सत्ता से बाहर किया जा सके। इसके लिए सभी सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल और आपसी समन्वय जरूरी है।

संविधान और लोकतंत्र पर जोर

सपा प्रमुख ने अपने बयान में संविधान को केंद्र में रखते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती देश के लिए महत्वपूर्ण है। इसी संदेश के साथ उन्होंने 'जय संविधान, जय हिंदुस्तान' का नारा दिया। अखिलेश के इस बयान को यूपी में आगामी चुनावों को लेकर विपक्षी गठबंधन की तैयारियों और राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

दिया। उन्होंने 'जय संविधान, जय हिंदुस्तान' का नारा देते हुए कहा कि देश में संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा जरूरी है। गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर

अखिलेश यादव ने कहा कि सहयोगी दलों के बीच बातचीत का उद्देश्य केवल सीटों की संख्या तय करना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बात सीट की नहीं, जीत की है।

मनोरंजन

'बिना सहमति के ऐसा करना गलत', यामी गौतम ने तस्वीरों को एआई से एडिट करने वालों को किया आगाह



मुंबई। एआई की मदद से फेक और मॉर्फेड कंटेंट बनाए जाने के बढ़ते मामलों के बीच एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपनी तस्वीरों और वीडियो को लेकर लोगों से खास अपील की। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी पब्लिक अपीयरेंस की तस्वीरों के साथ एआई का इस्तेमाल कर किसी भी तरह की छेड़छाड़ न की जाए। अगर किसी तस्वीर को बेहतर दिखाने के लिए भी एडिट किया जा रहा है, तो ऐसा करने से बचना चाहिए। बता दें कि यामी की यह सोशल मीडिया पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में फिल्म 'देवरा' के गाने 'चुझमल्ले' से जुड़ा एक मॉर्फेड वीडियो इंटरनेट पर सामने आया था। हालांकि यामी ने अपनी पोस्ट में किसी भी वीडियो का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने एआई के जरिए किसी की तस्वीर या पहचान में बदलाव किए जाने को लेकर अपनी बात स्पष्ट तौर पर रखी। यामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कृपया पब्लिक अपीयरेंस के दौरान ली गई मेरी तस्वीरों को एआई की मदद से बदलने या बेहतर बनाने से बचें। तस्वीरों का इस्तेमाल उनके ओरिजिनल रूप में ही करें। किसी व्यक्ति की जानकारी और सहमति के बिना एआई की मदद से उसकी तस्वीर या पहचान में बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। मेरी इस अपील का सम्मान करने के लिए पहले से धन्यवाद। यामी गौतम इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'नई नवेली' को लेकर भी चर्चा में हैं। फिल्म में वह मोहिनी के किरदार में नजर आएंगी। यह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म है, जिसमें परिवार, ह्यूमर, इमोशन, फैटेसी और एक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। अपने किरदार मोहिनी के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, मुझे इस किरदार की सबसे खास बात यही लगी कि वह वैसी बिल्कुल नहीं है, जैसी पहली नजर में सबको दिखाई देती है। मोहिनी के किरदार में एक अपनापन और गर्मजोशी है, लेकिन उसके साथ एक रहस्य भी जुड़ा हुआ है, जो धीरे-धीरे सामने आता है। फिल्म के डायरेक्टर और पूरी टीम के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। 'नई नवेली' को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म दशहरे से पहले 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिहार बाढ़ पर राहुल गांधी बोले- हर साल त्रासदी, 17 साल में डबल इंजन सरकार ने क्या किया

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ की भयावह स्थिति को लेकर केंद्र और राज्य की भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'बिहार में बाढ़ फिर कहर बनकर टूटी है। लाखों लोग प्रभावित हैं, सैकड़ों गांव डूबे हुए हैं। कई लोगों की मौत और लापता होने की खबर है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है।' उन्होंने लिखा, 'सबसे दुखद बात यह है कि बिहार में यह संकट नया नहीं है। हर साल बाढ़ आती है, मौतें होती हैं, परिवार उजड़ते हैं और लोग पलायन करते हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार बताए कि पिछले 17 साल में इस



सालाना त्रासदी से निपटने के लिए क्या किया? जमीन पर क्या बदला? बिहार के लोगों को हर साल राहत और आश्वासन नहीं, स्थायी समाधान चाहिए। राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार बिहार सरकार और केंद्र सरकार पर बाढ़ प्रबंधन को लेकर सवाल उठा रहा है। बिहार में कोसी, गंडक और बागमती

नदियों में उफान के कारण सुपौल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कांग्रेस का कहना है कि पिछले 17 साल से बिहार में अधिकतर समय एनडीए की सरकार रही है, बावजूद इसके बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। हर साल राहत सामग्री और हवाई सर्वेक्षण तक ही सरकार सीमित रह जाती है। वहीं, भाजपा नेताओं का दावा है कि सरकार राहत और बचाव कार्य में पूरी तरह जुटी हुई है और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद भेजी जा रही है। बता दें कि बिहार में इस साल मानसून के बाद नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण बाढ़ के हालात और बिगड़ गए हैं। लाखों की आबादी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है लेकिन राहुल गांधी ने इस मुद्दे को स्थायी समाधान से जोड़कर सरकार को घेरा है।

भारत को लेकर बढ़ रहा अंतरराष्ट्रीय विश्वास, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास क्षमता बना रही निवेशकों की पसंद: वैश्विक विशेषज्ञ

एजेंसी

नई दिल्ली। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में दुनिया भर से आए अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में भारत की विकास संभावनाओं, वैश्विक व्यापार व्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

स्वीडिश अर्थशास्त्री एरिक बर्गलोफ ने कहा कि वह इस सम्मेलन से इसकी शुरुआत से जुड़े रहे हैं और समय के साथ इसकी गुणवत्ता तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में



उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक देशों और प्रतिनिधियों की भागीदारी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां अत्यधिक अनिश्चित हैं और इसी संदर्भ में सम्मेलन की चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े जोखिमों के बीच अर्थव्यवस्थाओं को

अधिक लचीला और सक्षम बनाने पर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। एरिक बर्गलोफ ने आईएनएस से कहा, 'भारत की विकास संभावनाएं मजबूत हैं और कोविड-19 के बाद देश ने प्रभावशाली आर्थिक गति हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की क्षमता बनी हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने आम लोगों और कारोबारों को राहत देने के प्रयास किए हैं, लेकिन इससे राजकोषीय दबाव भी बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बीच विकास गति बनाए रखना नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है।

अपना घर, अपनी पहचान

अपना सपना, अब आपके अपने प्लॉट पर!

Apna Ghar, Apni Pehchan
LAXMI VIHAR Ke Saath!
Zila Panchayat Lucknow Approved

कीमत शुरू मात्र
₹1799/-
प्रति वर्ग फुट (कुल)

- ✓ जिला पंचायत लखनऊ द्वारा स्वीकृत
- ✓ गेटेड कम्युनिटी
- ✓ चौड़ी सड़कें
- ✓ बिजली एवं पानी की सुविधा
- ✓ हरियाली से भरपूर वातावरण

जमीन खरीदना खर्च नहीं,
भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

आज निवेश करें,
कल सुरक्षित भविष्य बनाएं!

9580456295

सुरक्षित आपका भविष्य
परिहार के लिए सर्वोत्तम
उत्कृष्ट निवेश का अवसर
कानूनी रूप से पारदर्शी

Laxmi Vihar, गोसाईगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश